प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इन्दौर (म.प्र.) में सोमवार दिनांक 03.03.2025 को इतिहास विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इतिहास विषय में विरासत का संरक्षण एवं भारतीय ज्ञान परम्परा पाठ्यक्रम से जुड़ा विषय है। अतः पर्यटन इतिहास का अभिन्न अंग है। यही कारण है कि "Various Dimensions of Tourism in Present Perspective" (वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पर्यटन के विभिन्न आयाम) को संगोष्ठी के विषय के रूप में चुना गया। जहाँ एक ओर पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण की आवश्यक्ता, सामाजिक–धार्मिक और अन्य पर्यटन के विस्तार को केन्द्र बिन्दु माना, तो दूसरी ओर आर्थिक रूप से पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं के कारण इसे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयुक्त माना।

संगोष्ठी का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भार्गव व प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर द्वारा अतिथियों का स्वागत प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. सुनीता मालवीय द्वारा प्रस्तुत की गई। इस मौके पर प्रो. शोभना व्यास, प्रो. रंजना शर्मा, प्रो. श्रद्धा दुबे, प्रो. गीता चौधरी, प्रो. नमिता काटजू , प्रो. आरती वाजपयी, प्रो. वर्षा आर्य व बड़ी संख्या में प्राध्यापक व शोधार्थी उपस्थित हुए।

उक्त संगोष्ठी हेतु 32 पंजीयन ऑनलाईन https://forms.gle/oBAS98aqy2bukhkR6 लिंक के माध्यम से तथा महाविद्यालय में उपस्थित होकर ऑफलाईन प्रक्रिया के तहत 79 पंजीयन किये गये। इतिहास विभाग द्वारा पर्यटन विषय पर आयोजित हुई इस एक दिवसीय संगोष्ठी में भारत में पर्यटन की स्थिति और संभावना विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। चार सत्रों में आयोजित हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले सत्र में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग डॉ. आर.सी. दीक्षित, लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय मंदसौर की प्रभारी प्राचार्य डॉ. उषा अग्रवाल एवं आईपीएस महाविद्यालय के पर्यटन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एच.आर. पाटीदार मुख्य अतिथि के रूप से उपस्थित हुए। इस मौके पर डॉ. उषा अग्रवाल ने कहा कि हमें पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ अनियंत्रित होते पर्यटन को भी रोकना होगा। केदारनाथ व कुंभ में हुए हादसे का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पर्यटन को लेकर एक मजबूत योजना बनाना सरकार के लिए अति आवश्यक है। अगर भविष्य में पर्यटन को लेकर सही योजना नहीं बनाई गई तो वह दिन दूर नहीं जब हम पर्यटन से आय के स्त्रोत तो बडा लेंगे पर अपनी सभ्यता और संस्कृति को खो देंगे। डॉ. पाटीदार ने कहां की विरासतों का संरक्षण

करना हमारी आवश्यकता ही नहीं हमारा कर्तव्य भी है। अगर हमारी प्राचीन धरोहर नहीं रहेगी तो हमारी पहचान ही खत्म हो जाएगी । उन्होंने कहा कि इन धरोहरों पर अवैध कब्जे हटाना सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। संगोष्ठी के दूसरे और तीसरे सत्र में शोधार्थियों द्वारा शोध पत्रों का वाचन किया गया।

संगोष्ठी के समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार शर्मा ने कहा कि पर्यटन को अनिवार्य विषय के रूप में पाठ्यक्रमों में जोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन में रोजगार की असीम संभावना है। इससे युवाओं को लाभ हो सकता है। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर ने कहा कि पर्यटन वह खूबसूरती के पल होते हैं जिसमें हम खुद को संभालते और निखारते हैं। उन्होंने कहा कि सुकून का पल, अर्थ की रीढ़, संस्कृति का वाहक अगर कोई है तो वो पर्यटन है।

Dr. Shraddha Dubey
Dr. Mamta Chandrashekhar
Dr. Ranjana Sharma

GLOBUS
श्री अटल बिहारी वाजपेयी
शासकीय कला एवं
वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर

Honourable
Dr. Dinesh K. Sharma
Dr. Sunita Malviya
Convener
e of Excellence
Vajpayee G.A.C.C, Indore
ONAL SEMINAR ON

PM College of Excellence
Shri Atal Bihari Vajpayee G.A.C.C, Indore
NATIONAL SEMINAR ON
“ Various Dimensions of Tourism in Present Perspective ”
Organized by Dept. of History
03rd March